श्रद्धांजलि

सामान्य वस्त्रों में सन्यासी थे 'राजीव जी' : आचार्य बालकृष्ण

सम्पूर्ण आजादी का गीत गाकर प्राणोत्सर्ग करने वाले स्वतंत्रता प्रेमी अपने नाम और यश के लिए काम नहीं करते लेकिन उनके प्रति नमित होना हमारा भी कर्त्तव्य है। ऐसे ही सम्पूर्ण आजादी के लिए संघर्षशील 'भारत स्वाभिमान' के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सचिव श्री राजीव दीक्षित 'राजीव भाई' थे उनका इस प्रकार अचानक हमारे बीच से उठकर चले जाना 'पतंजलि योगपीठ' ही नहीं वरन पूरे राष्ट्र की अपूरणीय क्षति है। देशभक्ति से ओतप्रोत भारतीय उनका निरन्तर स्मरण, मातृभूमि स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रेरणा शक्ति और संकल्पभाव ग्रहण करेगी।

राजीव भाई का देहावसान अचानक भिलाई में हो गया। आजन्म ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए मां भारती को सच्चे रूप में स्वतंत्र कराने का सपना संजोये राजीवजी पूरे हिन्दुस्तान के लोगों में नवजागरण की भावना भर रहे थे। एम.टेक की डिग्री लेने के बाद राजीवजी ने देशसेवा का ही व्रत लिया। लम्बे समय तक 'आजादी बचाओ आंदोलन' की सेवा करने के बाद ये 'भारत स्वाभिमान' से जुड़े और भारत स्वाभिमान के राष्ट्रीय प्रवक्ता तथा सचिव का पद संभालते हुए ये अहर्निश देश के सेवा कार्य में संलग्न रहे। अंततः भारत मां की सेवा करते-करते ये हमारे बीच से चले गए।

राजीव जी को मैंने करीब से देखा और जाना है। उनका जीवन संयम, सादगी भरा और संत जैसा था। वे सामान्य वस्त्रों में सन्यासी थे। वे माँ भारती के अमर यशस्वी पुत्र थे। हम इस पीड़ा को शब्दों में तो व्यक्त नहीं कर सकते परन्तु उनके स्वप्न को पूर्ण करने का संकल्प लेकर उसे हम कम जरूर कर सकते हैं। राजीव भाई के जीवन में सरलता और नम्रता थी। शब्दों से सीख लेना तो सरल है परन्तु शब्दों को जीना बड़ा ही मुश्किल है। वे संयमी, सदाचारी ब्रह्मचारी तथा वीर बलिदानी थे। वे निरन्तर साधना की जिन्दगी जीते थे। उनके अधूरे कार्यों के प्रति निरन्तर गतिशीलता ही हमारी उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पतंजलि योगपीठ के द्वितीय चरण में निर्मित 'भारत स्वाभिमान' के मुख्यालय का 5 जनवरी, 2011 को उद्घाटन किया जायेगा और भारत स्वाभिमान भवन का नाम 'राजीव भवन' होगा। राजीव जी के मृत्यु दिवस को 'स्वदेशी दिवस' के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जायेगा। 'भारत स्वाभिमान' व स्वदेशी के अधूरे स्वप्न को पूरा करना ही राजीव भाई को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।